

श्रीमुकुन्दरायाष्टकम्

shrImukundarAyAShTakam

sanskritdocuments.org

March 17, 2018

---

shrImukundarAyAShTakam

श्रीमुकुन्दरायाष्टकम्

Sanskrit Document Information



---

Text title : mukundarAyAShTakam

File name : mukundarAyAShTakam.itx

Category : deities\_misc, gurudev, puShTimArgIya, aShTaka

Location : doc\_deities\_misc

Author : giridharajI

Proofread by : PSA Easwaran psawaswaran at gmail.com

Description/comments : puShTimArgIya stotraratnAkara

Latest update : February 28, 2018

Send corrections to : sanskrit@cheerful.com

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

March 17, 2018

*sanskritdocuments.org*

---

श्रीमुकुन्दरायाष्टकम्



(रामकवी-गणेश गीयते)

वनितोपडासनृत्यत्स्मितवदनानन्दजोषतोषदायिन् ।

श्रीमन्मुकुन्दराय त्वय्यासक्तं मनो मेऽस्तु ॥ १ ॥

मणिमयनन्दावासे कुमारिकावृन्दशोभिसङ्घास्ये ।

नवनीतलोभितास्ये (सततं त्वयि हरी) मतिर्मेऽस्तु ॥ २ ॥

परिधृतडीरकडारं प्रजङ्गनादर्शनीयकौमारम् ।

कृतगोपुच्छविडारं जितमारं प्रणौमि हृत्सारम् ॥ ३ ॥

सकलोपनिषत्सारं स्वानन्दाप्राकृताकारम् ।

वन्दे नन्दकुमारं वारं वारं स्वदातारम् ॥ ४ ॥

किङ्कणीनूपुररक्षितं (सततं) सिंहावलोकनं कर्त्रे ।

प्रज्जन्मानसहर्त्रे निजार्तिहर्त्रे नमस्कृमः ॥ ५ ॥

अलकसमावृतवदनं सुकुन्दकलिकासुशोभितं स्वास्थम् ।

गोपयुवतीरतिसदनं जितमदनं नन्दनन्दनं नौमि ॥ ६ ॥

प्रज्जर्दमलिमाङ्गं करधृतनवनीतमोहितानङ्गम् ।

वन्दे लोलविलोयनासक्ताङ्गनासङ्गम् ॥ ७ ॥

नर्तनलीलाकराणं मनोहराणं वपुषा नन्दविस्तराणम् ।

सेवकजनभवतराणं यामि तमहं सदैव शराणम् ॥ ८ ॥

तव लीलारसलुब्धाः श्रीमुकुन्दरायाष्टकं प्रेषणा ।

साधनजालसहस्रं त्यक्त्वाजस्रं पठध्वं वै ॥ ९ ॥

एति श्रीमधुनाथकुलोद्भवश्रीगोपालात्मजश्रीगिरधरेणविरचितं

श्रीमुकुन्दरायाष्टकं समाप्तम् ।

*shrImukundarAyAShTakam*

pdf was typeset on March 17, 2018

Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

